C789

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-505

हिंदी साहित्य का इतिहास और आदिकालीन कविता

M.A. Hindi

Second Semester Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. नाथ सम्प्रदाय को प्रतिष्ठित करने में गोरखनाथ के योगदान पर प्रकाश डालिए।

2. दोहा एवं चर्या गीतों में क्या अन्तर है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. आदिकालीन जैन साहित्य ने परवर्ती हिंदी साहित्य पर क्या प्रभाव डाला? स्पष्ट कीजिए।

4. विद्यापति को मैथिल कोकिल कहा जाता है, सिद्ध कीजिए।

5. अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय देते हुए खड़ी बोली के विकास में उनके योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. आदिकालीन नाथ साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. आदिकालीन सिद्ध साहित्य की काव्यगत विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

3. नाथ सम्प्रदाय की क्या-क्या विशेषताएं हैं?

4. आदिकालीन नाथ साहित्य की भाषा-शैली समझाइए।

5. गोरखनाथ की किसी उलटबाँसी का उदाहरण सहित अर्थ स्पष्ट करें।

6. जैन साहित्य की मुक्तक काव्यधारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

8. विद्यापति की लोक चेतना पर प्रकाश डालिए।